Title: The Speaker made Valedictory Reference on the conclusion of the 12th session of the 16th Lok Sabha.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सोलहवीं लोक सभा के बारहवें सत्र के समापन पर आप सभी को मैं बधाई देती हूं, क्योंकि यह सोलहवीं लोक सभा का बारहवां सत्र 17 जुलाई, 2017 को आरंभ हुआ था, जो आज समाप्त हो रहा है। मगर इस सत्र के दौरान हमने 19 बैठकें की, जो तकरीबन 76 घंटे 41 मिनट चलीं। वर्तमान सत्र के दौरान 17 जुलाई, 2017 को भारत के 14वें राष्ट्रपति के लिए निर्वाचन हुआ और 20 जुलाई, 2017 को इसके परिणाम की घोषणा हुई। भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने के पश्चात माननीय श्री रामनाथ कोविंद जी ने 25 जुलाई, 2017 को केन्द्रीय कक्ष में शपथ ली।

सभा ने 9 अगस्त, 2017 को "भारत छोड़ो आंदोलन" की 75वीं वर्षगांठ के अवसर को विशेष चर्चा के पश्चात् एक संकल्प को adopt करके मनाया। यह सचमुच में एक अविस्मरणीय क्षण था। इसलिए फिर एक बार आप सबको मैं बधाई और धन्यवाद दोनों देती हूं।

इस सत्र के दौरान महत्वपूर्ण वित्तीय, विधायी और अन्य कार्य निपटाये गये। वर्ष 2017-18 के लिए Supplementary Demands for Grants (General) और वर्ष 2014-15 के लिए Demands for Excess Grants (General) के बारे में करीब 5 घंटे 11 मिनट तक चर्चा हुई और तत्पश्चात् इन्हें मतदान के लिए रखा गया और संबंधित Appropriation Bills पारित किए गए।

वर्तमान सत्र के दौरान 17 सरकारी विधेयक introduce किए गए। कुल मिलाकर 14 विधेयक पारित किए गए। पारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों में निम्नलिखित विधेयक शामिल थे:-

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (पब्लिक-प्राइवेट भागीदारी) विधेयक, 2017;

नःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2017;

कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2016;

बैंककारी विनियम (संशोधन) विधेयक, 2017;

पंजाब नगर निगम विधि (चंडीगढ़ पर विस्तार) संशोधन विधयेक, 2017; और

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (संशोधन) विधेयक, 2017

सत्र के दौरान 380 starred प्रश्न सूचीबद्ध किए गए जिनमें से 63 प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। इस प्रकार, औसतन प्रतिदिन लगभग 3.31 प्रश्नों के उत्तर दिए गए। शेष starred प्रश्नों के लिखित उत्तर 4370 unstarred प्रश्नों के उत्तरों के साथ सभा पटल पर रखे गए। सदस्यों ने प्रश्न काल के पश्चात् और शाम को देर तक बैठ कर लगभग 252 अविलंबनीय लोक महत्व के मामले उठाए। माननीय सदस्यों ने नियम 377 के अधीन करीब 281 मामले सदन में उठाए।

स्थायी समितियों ने सभा में 44 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

सभा में नियम 193 के अधीन निम्नलिखित अविलम्बनीय लोक महत्व के विषयों पर अल्पकालिक चर्चाएं भी हुईं ः-

(1) देश में कृषि क्षेत्र की स्थिति, और

(2) देश में भीड़ द्वारा हिंसा में अत्याचार और पीट-पीटकर मारने की कथित घटनाओं से उत्पन्न स्थिति

इस सत्र के दौरान ध्यानाकर्षण (कॉलिंग अटेंशन) के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्याओं के बारे में भी मामला भी उठाया गया।

अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मंत्रियों द्वारा 41 वक्तव्य दिए गए और माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने सरकारी कार्य के बारे में तीन वक्तव्य दिए।

सत्र के दौरान, संबंधित मंत्रियों ने करीब 1270 पत्र सभा पटल पर रखे।

गैर सरकारी सदस्यों के कार्य के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर गैर सरकारी सदस्यों के 28 विधेयक इंट्रोडयुज़ किए गए। श्री विन्सेंट एच. पाला द्वारा पेश किए गए संविधान की छठी अनुसूची (संशोधन) विधेयक 2015 पर विचार किए जाने के प्रस्ताव को 21 जुलाई, 2017 को आगे चर्चा के लिए लिया गया। तथापि, विधेयक पर चर्चा उस दिन पूरी नहीं हुई।

जहां तक गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों का संबंध है, कर्मचारी भविष्य निधि के पेंशनभोगियों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन द्वारा पेश किए गए संकल्प, जिस पर पिछले सत्रों के दौरान चर्चा की गई थी, पर 28 जुलाई, 2017 को आगे चर्चा की गई और उसे उसी दिन सभा की अनुमति से वापस लिया गया। देश में विभिन्न रक्षा स्थापनों के समीप स्थित भवनों के जीर्णोद्धार के संबंध में श्री गोपाल शेट्टी द्वारा 28 जुलाई, 2017 को एक अन्य संकल्प पेश किया गया और इस पर आंशिक चर्चा हुई।

इस सत्र में व्यवधानों और उसके कारण किए गए स्थगनों के कारण 29 घंटे 58 मिनट का समय नष्ट हुआ, लेकिन सभा ने 10 घंटे और 43 मिनट देर तक बैठ कर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा भी की। इसके लिए भी मैं आपकी आभारी हूँ।

मैं माननीय उपाध्यक्ष और सभापति तालिका में शामिल अपने सहयोगियों का सभा के सुचारू रूप से संचालन में अपना सहयोग देने के लिए धन्यवाद करती हूँ। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी, संसदीय कार्य मंत्री, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं और मुख्य सचेतकों तथा सभी माननीय सदस्यों के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती हूँ। मैं आप सभी की ओर से प्रेस और मीडिया के अपने मित्रों का भी धन्यवाद करना चाहूंगी। मैं इस अवसर पर महासचिव और लोक सभा सचिवालय के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके द्वारा सभा को दी गई समर्पित और तत्काल सेवा के लिए धन्यवाद देती हूँ। मैं सभा की कार्यवाही के सुचारु संचालन के लिए प्रदान की गई सहायता के लिए संबंधित सभी एजेंसियों को भी धन्यवाद करती हूँ।

माननीय सदस्यगण, मैं इस अवसर पर आने वाले स्वतंत्रता दिवस के लिए सभी को बधाई देती हूँ और हमने तो संकल्प भी लिया है।

इस पूरे सत्र में, आप सबका जो सहयोग रहा, उसके लिए मैं एक बार फिर आप सबका आभार व्यक्त करती हूँ और बधाई देती हूँ।

माननीय सदस्यगण, कृपया अपने स्थान पर खड़े हो जाएं, क्योंकि अब "वन्दे मातरम् " की धुन बजाई जाएगी।

-

-

12.19 hours

NATIONAL SONG

(The National Song was played.)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned *sine die.*

12.20 hours

The Lok Sabha then adjourned sine die.